dependent on international market trends and other factors.

Electronic/automatic exchanges in Kerala

*59. SHRI M. A. BABY: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) what is the number of exchanges in Kerala proposed to be converted into electronic/automatic exchanges during the next year; and

(b) what new steps are contemplated by Governmant to expand the communication net work in Kerala ?

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT AND THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI K. P. UNNIKRISHNAN): (a) About 80 nos. of Exchanges are planned to be replaced by electronic exchanges during 1990-91, subject to availabiUty of equipment.

Major exchanges proposed for such conversion/new addition are: —

—10, 000 lines at Trivandrum Medical College;

—7, 000 lines at Ernakulam;

—5000 lines at Kottayam;

—3, 000 lines at Tiruvala;

—1, 500 lines at Alleppey;

—3, 000 lines at Tripunithura;

—plus 3, 000 lines at Calicut.

(b) The 8th Five Year Plan proposals aim at provision of telephone connections on demand by 1-4-95 in all exchanges below 5000 lines and for large exchanges meet the demand upto 31-3-94 by 1-4-95. The plan envisages provision of reliable medium to all exchanges of 500 lines and more by—

—optical fibre cable system;

—coaxial cable;

—cable carrier system;

—microwave system;

—UHF system;

—Junction cable and PCM systems.

The implementation of plan is subject to adequate allocation of financial and material resources in time.

दूरदर्शन और आकाशवाणी को हुई हानि

*60. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार को दूरदर्शन और आकाशवाणी के संचालन में प्रति वर्ष आर्थिक हानि उठानी पड़ती है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान उठायी गई वित्तीय हानि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) क्या सरकार भविष्य में इस प्रकार की हानि को समाप्त करने के लिये क्या विशिष्ट उपाय करने का विचार रखती है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) से (ग) आकाशवाणी तथा दूरदर्शन का उद्देश्य लोगों को सूचना, शिक्षा तथा मनोरंजन प्रदान करना है। राष्ट्रीय एकता को ब ावा देने, अपनी सांस्कृतिक विरासत को ठीक तरह से समझने के लिये प्रोत्साहित करने तथा विकास प्रक्रिया के बारे में जनता में चेतना जागृत करने के लिये समाज में बदलाव लाने के वास्ते इलैक्ट्रानिक माध्यमों की उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पना की गई है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये माध्यमों द्वारा वित्तीय पहलुओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। तथापि सरकार इन माध्यमों को जो बजट समर्थन प्रदान करती है उसे इनकी कार्यचालन हानि नहीं माना जा सकता क्योंकि ये सरकार के संबद्ध कार्यालय हैं।